भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 5190

सोमवार, 4 अप्रैल, 2022/14 चैत्र, 1944 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

जनजातीय क्षेत्रों में पर्यटन संबंधी बुनियादी ढ़ांचे का विकास

5190. श्री सुनील कुमार सिंहः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या मंत्रालय जनजातीय क्षेत्रों में पर्यटन संबंधी बुनियादी ढांचे के विकास के लिए जनजातीय उप-योजना चला रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त योजना के अंतर्गत पिछले तीन बजट वर्षों और वर्तमान बजट के दौरान कितनी धनराशि आवंटित की गई; और

(ग) क्या उक्त योजना के अंतर्गत झारखंड राज्य के जनजातीय बहुल जिलों में पर्यटन अवसंरचना विकसित करने की कोई योजना/प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ग): जी, हाँ महोदय। पर्यटन मंत्रालय अपनी स्वदेश दर्शन योजना के अन्तर्गत देश में पर्यटन अवसंरचना का विकास करता है और जनजातीय उप-योजना के अन्तर्गत निधियाँ भी जारी करता है। पिछले तीन बजट वर्षों और चालू बजट वर्ष के दौरान पर्यटन मंत्रालय द्वारा जनजातीय उप-योजना के तहत आवंटित और जारी निधियों का विवरण निम्नानुसार है:-

वित्तीय वर्ष	संशोधित आकलन	व्यय
2018-19	87.57	87.57
2019-20	55.00	55.00
2020-21	49.00	49.00
2021-22	34.10	25.44*

*30 मार्च, 2022 तक की स्थिति के अनुसार अनंतिम

पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना के ईको पर्यटन परिपथ के अन्तर्गत 52.7 करोड़ रु. की राशि से झारखंड में 'ईको परिपथ डालमा- चांडिल- गेतलसुद- बेतला राष्ट्रीय उद्यान- मिरछैया- नेतरहाट के विकास' की परियोजना को पहले ही स्वीकृति दे दी है। मंत्रालय ने जिम्मेदार तथा स्थायी गंतव्यों के विकास के लिए गंतव्य एवं पर्यटक केन्द्रित दृष्टिकोण के साथ स्वदेश दर्शन योजना को अब नया रूप दिया है।

****